IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 2, June 2026 Impact Factor: 8.2

अभिभावकीय समर्थन और सामाजिक मनोवैज्ञानिक कारकों का हाई स्कूल छात्रों की रुचियों पर प्रभाव

मिथिलेश कुमार[1], डॉ. भूपेंद्र सिंह चौहान[2]
[1]शोधार्थी, [2]प्रोफेसर
शिक्षाशास्त्र -विभाग
विक्रांत विश्वविद्यालय, ग्वालियर, म.प्र

सारांश: *हाई स्कूल स्तर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, रुचियों, अभिरुचियों, शैक्षिक आकांक्षाओं तथा भविष्य की दिशा के निर्माण का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। इस अवस्था में विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक परिवर्तनों से गुजरते हैं, जिनका उनकी रुचियों और व्यवहार पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों की शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा सह-पाठ्यक्रम संबंधी रुचियों के विकास में अभिभावकीय समर्थन और विभिन्न सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।*

अभिभावकीय समर्थन के अंतर्गत भावनात्मक सहयोग, शैक्षिक मार्गदर्शन, प्रोत्साहन, संवाद, आर्थिक सहायता तथा उपलब्धियों की सराहना को शामिल किया जाता है। दूसरी ओर, आत्म-सम्मान, आत्म-प्रभावकारिता, प्रेरणा, मानसिक स्वास्थ्य, समायोजन, सहपाठी संबंध, सामाजिक समर्थन और विद्यालयी वातावरण जैसे सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक विद्यार्थियों की रुचियों को प्रभावित करते हैं। प्रस्तुत समीक्षा अध्ययन का उद्देश्य उपलब्ध साहित्य के आधार पर अभिभावकीय समर्थन तथा सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारकों और हाई स्कूल छात्रों की रुचियों के मध्य संबंध का विश्लेषण करना है। समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि सकारात्मक और सहयोगात्मक पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, उपलब्धि प्रेरणा तथा विविध क्षेत्रों में रुचि विकसित करता है।

मुख्य संकेतक: अभिभावकीय समर्थन, सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक, हाई स्कूल छात्र, रुचि, आत्म-सम्मान, प्रेरणा, विद्यालयी वातावरण।

I. परिचय

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनकी रुचियों, क्षमताओं, व्यक्तित्व तथा सामाजिक और भावनात्मक विकास को भी प्रोत्साहित करना है। हाई स्कूल स्तर विद्यार्थी के जीवन का एक ऐसा महत्वपूर्ण चरण है जिसमें उसकी शैक्षिक रुचियाँ, व्यावसायिक आकांक्षाएँ, सामाजिक संबंध और व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम विकसित होते हैं। इस स्तर पर विद्यार्थी अपने भविष्य के संबंध में निर्णय लेने लगते हैं तथा विभिन्न विषयों, गतिविधियों और व्यवसायों के प्रति अपनी रुचियों का निर्माण करते हैं।

विद्यार्थियों की रुचियाँ केवल व्यक्तिगत योग्यता या बुद्धि से निर्धारित नहीं होतीं। परिवार, विद्यालय, सहपाठी समूह तथा सामाजिक परिवेश भी उनकी रुचियों को प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से अभिभावक विद्यार्थियों के प्रथम और महत्वपूर्ण सामाजिक मार्गदर्शक होते हैं। माता-पिता द्वारा प्रदान किया गया प्रेम, सुरक्षा, प्रोत्साहन, संवाद तथा शैक्षिक सहयोग विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रेरणा को प्रभावित करता है। जिन विद्यार्थियों को परिवार से पर्याप्त सहयोग प्राप्त होता है, वे सामान्यतः अपनी रुचियों का स्वतंत्र रूप से विकास कर पाते हैं और विभिन्न शैक्षिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते हैं।

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारकों में आत्म-सम्मान, आत्म-प्रभावकारिता, प्रेरणा, समायोजन, भावनात्मक स्थिरता, सामाजिक समर्थन और सहपाठी संबंध विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए हाई स्कूल विद्यार्थियों की रुचियों को समझने के लिए अभिभावकीय और सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दोनों पक्षों का संयुक्त अध्ययन आवश्यक है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/568

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 2, June 2026 Impact Factor: 8.2

II. अभिभावकीय समर्थन की अवधारणा

अभिभावकीय समर्थन से आशय माता-पिता अथवा अभिभावकों द्वारा बच्चों को प्रदान किए जाने वाले भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक और व्यवहारिक सहयोग से है। यह समर्थन बच्चे को सुरक्षा, स्वीकृति, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्रदान करता है। अभिभावकीय समर्थन का अर्थ केवल आर्थिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि बच्चे की भावनाओं को समझना, उसकी समस्याओं को सुनना और उसकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना भी है।

अभिभावकीय समर्थन के प्रमुख आयाम निम्नलिखित हैं—

1. भावनात्मक समर्थन
2. शैक्षिक सहयोग
3. प्रेरणा और प्रोत्साहन
4. निर्णय लेने में मार्गदर्शन
5. आर्थिक सहयोग
6. सकारात्मक संवाद
7. उपलब्धियों की सराहना
8. समस्याओं के समाधान में सहयोग

परिवार और विद्यालय के सहयोग को विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता का महत्वपूर्ण आधार माना है। जब अभिभावक बच्चों की शिक्षा और रुचियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो विद्यार्थी अधिक सकारात्मक शैक्षिक दृष्टिकोण विकसित करते हैं।

III. सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारकों की अवधारणा

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक वे व्यक्तिगत और सामाजिक तत्व हैं जो व्यक्ति के विचारों, भावनाओं, व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करते हैं। हाई स्कूल विद्यार्थियों के संदर्भ में ये कारक विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि किशोरावस्था में सामाजिक स्वीकृति और व्यक्तिगत पहचान की आवश्यकता अधिक होती है।

प्रमुख सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक निम्नलिखित हैं—

1. आत्म-सम्मान
2. आत्म-प्रभावकारिता
3. उपलब्धि प्रेरणा
4. भावनात्मक समायोजन
5. सामाजिक समर्थन
6. सहपाठी संबंध
7. विद्यालयी वातावरण
8. शिक्षक समर्थन
9. सामाजिक स्वीकृति
10. मानसिक स्वास्थ्य

इन कारकों का विद्यार्थियों की रुचियों और गतिविधियों में भागीदारी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। उच्च आत्म-सम्मान और सकारात्मक सामाजिक समर्थन वाले विद्यार्थी नई गतिविधियों में भाग लेने के लिए अधिक प्रेरित हो सकते हैं।

IV. हाई स्कूल छात्रों की रुचियों की अवधारणा

रुचि व्यक्ति की किसी विषय, गतिविधि, वस्तु या कार्य के प्रति आकर्षण और सकारात्मक मानसिक प्रवृत्ति को दर्शाती है। जब विद्यार्थी किसी विषय में रुचि रखते हैं, तो वे उस विषय में अधिक ध्यान, समय और प्रयास लगाते हैं। रुचि को एक विकसित होने वाली मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत किया।

हाई स्कूल छात्रों की रुचियों को निम्नलिखित क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जा सकता है—

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 2, June 2026 Impact Factor: 8.2

1. शैक्षिक रुचि
2. वैज्ञानिक रुचि
3. साहित्यिक रुचि
4. खेलकूद रुचि
5. संगीत एवं कला संबंधी रुचि
6. तकनीकी रुचि
7. सामाजिक सेवा संबंधी रुचि
8. व्यावसायिक रुचि
9. सांस्कृतिक रुचि

रुचि विद्यार्थियों की उपलब्धि और भविष्य की व्यावसायिक दिशा दोनों को प्रभावित कर सकती है।

V. अभिभावकीय समर्थन और शैक्षिक रुचि

अभिभावकों की सकारात्मक भागीदारी विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब माता-पिता बच्चों की पढ़ाई में रुचि लेते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, तब विद्यार्थी शिक्षा के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं। अभिभावकीय भागीदारी को बच्चों की शैक्षिक सफलता से संबंधित महत्वपूर्ण कारक बताया।

अभिभावकीय समर्थन विद्यार्थियों में यह विश्वास विकसित करता है कि उनके प्रयासों को महत्व दिया जाता है। परिणामस्वरूप वे विषयों की खोज, प्रश्न पूछने और नई गतिविधियों में भाग लेने के लिए अधिक प्रेरित होते हैं।

VI. भावनात्मक समर्थन और विद्यार्थियों की रुचियाँ

भावनात्मक समर्थन विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है। जब विद्यार्थियों को माता-पिता से प्रेम, स्वीकृति और सुरक्षा प्राप्त होती है, तो वे अपने विचारों और रुचियों को अधिक स्वतंत्रता से व्यक्त कर सकते हैं।

परिवार में सकारात्मक भावनात्मक वातावरण विद्यार्थियों के तनाव को कम करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होता है। इसके विपरीत, पारिवारिक संघर्ष और भावनात्मक उपेक्षा विद्यार्थियों की प्रेरणा तथा रुचियों को प्रभावित कर सकती है। Wentzel (2010) के अनुसार सामाजिक संबंध और समर्थन विद्यार्थियों की प्रेरणा और विद्यालयी व्यवहार से जुड़े महत्वपूर्ण तत्व हैं।

VII. आत्म-सम्मान का प्रभाव

आत्म-सम्मान व्यक्ति द्वारा स्वयं के प्रति किए गए मूल्यांकन को दर्शाता है। उच्च आत्म-सम्मान वाले विद्यार्थी अपनी क्षमताओं पर अधिक विश्वास करते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में भाग लेने के लिए तैयार रहते हैं। आत्म-सम्मान को व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण घटक माना।

जिन विद्यार्थियों को परिवार और समाज से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त होती है, उनमें आत्म-सम्मान विकसित होने की संभावना अधिक होती है। उच्च आत्म-सम्मान विद्यार्थियों को अपनी रुचियों का अन्वेषण करने तथा नई गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है।

VIII. आत्म-प्रभावकारिता और रुचियों का विकास

आत्म-प्रभावकारिता व्यक्ति का अपनी क्षमताओं के प्रति विश्वास है। यदि विद्यार्थी को यह विश्वास है कि वह किसी कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है, तो उस कार्य के प्रति उसकी रुचि और सहभागिता बढ़ सकती है।

उदाहरण के लिए, यदि विद्यार्थी को विज्ञान विषय में सफलता मिलती है और अभिभावक उसका प्रोत्साहन करते हैं, तो उसमें विज्ञान के प्रति दीर्घकालिक रुचि विकसित हो सकती है। इसी प्रकार, खेल, संगीत और कला के क्षेत्र में सकारात्मक अनुभव विद्यार्थियों की रुचियों को मजबूत कर सकते हैं।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 2, June 2026 Impact Factor: 8.2

IX. प्रेरणा और रुचि का संबंध

प्रेरणा विद्यार्थियों के व्यवहार और रुचि विकास का प्रमुख कारक है। आंतरिक प्रेरणा विद्यार्थियों को किसी गतिविधि में आनंद और व्यक्तिगत संतुष्टि के कारण भाग लेने के लिए प्रेरित करती है। आत्म-निर्धारण सिद्धांत के अनुसार स्वायत्तता, योग्यता और सामाजिक संबंध आंतरिक प्रेरणा के प्रमुख आधार हैं।

यदि अभिभावक बच्चों को अत्यधिक दबाव देने के बजाय उनकी पसंद और क्षमता का सम्मान करते हैं, तो विद्यार्थियों में अधिक स्वायत्त और स्थायी रुचियाँ विकसित हो सकती हैं।

X. सहपाठी संबंधों का प्रभाव

हाई स्कूल स्तर पर सहपाठी समूह विद्यार्थियों के व्यवहार और रुचियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। किशोरावस्था में विद्यार्थी सामाजिक स्वीकृति को महत्व देते हैं और कई बार अपने मित्रों की रुचियों से प्रभावित होते हैं।

सकारात्मक सहपाठी संबंध विद्यार्थियों को खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक सामाजिक दबाव विद्यार्थियों को उनकी

XI. विद्यालयी वातावरण की भूमिका

विद्यालय विद्यार्थियों की रुचियों के विकास का दूसरा प्रमुख सामाजिक संस्थान है। सकारात्मक विद्यालयी वातावरण विद्यार्थियों को सुरक्षित, प्रेरणादायक और सहयोगात्मक अनुभव प्रदान करता है।

शिक्षकों का प्रोत्साहन, विषयों की रोचक प्रस्तुति, प्रयोगात्मक गतिविधियाँ, पुस्तकालय, खेल सुविधाएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों की रुचियों के विस्तार में योगदान देते हैं

XII. सामाजिक समर्थन और विद्यार्थियों का विकास

सामाजिक समर्थन परिवार, मित्र, शिक्षक और समुदाय से प्राप्त सहयोग को दर्शाता है। पर्याप्त सामाजिक समर्थन विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करने और अपनी क्षमताओं का विकास करने में सहायता करता है।

अभिभावक, शिक्षक और मित्र यदि विद्यार्थियों की रुचियों को समझें और उन्हें प्रोत्साहित करें, तो विद्यार्थी विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। सामाजिक समर्थन विद्यार्थियों में सकारात्मक आत्म-धारणा और उपलब्धि प्रेरणा को भी बढ़ा सकता है।

XIII. सामाजिक-आर्थिक स्थिति का प्रभाव

परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति विद्यार्थियों की रुचियों को प्रभावित कर सकती है। उच्च सामाजिक-आर्थिक संसाधनों वाले परिवार बच्चों को पुस्तकें, इंटरनेट, कोचिंग, खेल उपकरण तथा सांस्कृतिक अवसर उपलब्ध करा सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को विभिन्न रुचियों का अनुभव करने का अवसर मिलता है।

हालाँकि, केवल आर्थिक संसाधन ही निर्णायक नहीं हैं। सीमित संसाधनों वाले परिवारों में भी सकारात्मक भावनात्मक समर्थन और प्रोत्साहन विद्यार्थियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

XIV. अभिभावकीय समर्थन के विभिन्न आयामों का प्रभाव

अभिभावकीय समर्थन का आयाम	विद्यार्थियों पर संभावित प्रभाव	रुचियों पर प्रभाव
भावनात्मक समर्थन	आत्मविश्वास में वृद्धि	नई गतिविधियों में रुचि
शैक्षिक सहयोग	उपलब्धि में सुधार	विषयों के प्रति रुचि
सकारात्मक संवाद	विचारों की अभिव्यक्ति	व्यक्तिगत रुचियों का विकास
प्रोत्साहन	प्रेरणा में वृद्धि	लक्ष्य-उन्मुख रुचि
उपलब्धि की सराहना	आत्म-सम्मान में वृद्धि	निरंतर सहभागिता

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, June 2026
Impact Factor: 8.2

निर्णय में सहयोग	स्वायत्तता का विकास	व्यावसायिक एवं शैक्षिक रुचि
आर्थिक सहायता	संसाधनों तक पहुँच	विविध गतिविधियों का अनुभव

XV. सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारकों का प्रभाव

सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक	विद्यार्थियों पर प्रभाव	रुचि संबंधी परिणाम
आत्म-सम्मान	आत्मविश्वास	गतिविधियों में सहभागिता
आत्म-प्रभावकारिता	क्षमता पर विश्वास	चुनौतीपूर्ण कार्यों में रुचि
प्रेरणा	प्रयास और निरंतरता	शैक्षिक रुचि
सहपाठी संबंध	सामाजिक स्वीकृति	समूह गतिविधियों में भागीदारी
शिक्षक समर्थन	शैक्षिक सुरक्षा	विषयों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण
विद्यालयी वातावरण	सकारात्मक अनुभव	बहुआयामी रुचियों का विकास
भावनात्मक समायोजन	तनाव में कमी	निरंतर सहभागिता

XV. निष्कर्ष

अभिभावकीय समर्थन और सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक हाई स्कूल छात्रों की रुचियों के निर्माण और विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता-पिता द्वारा प्रदान किया गया प्रेम, प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और सकारात्मक संवाद विद्यार्थियों में आत्मविश्वास तथा स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है। इसी प्रकार, आत्म-सम्मान, आत्म-प्रभावकारिता, प्रेरणा, सहपाठी संबंध, शिक्षक समर्थन और विद्यालयी वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक, सामाजिक और व्यावसायिक रुचियों को प्रभावित करते हैं। जिन विद्यार्थियों को परिवार और सामाजिक वातावरण से पर्याप्त समर्थन प्राप्त होता है, वे अपनी रुचियों का अधिक प्रभावी ढंग से अन्वेषण कर सकते हैं। इसलिए विद्यार्थियों की रुचियों के विकास को केवल व्यक्तिगत विशेषता न मानकर परिवार, विद्यालय और सामाजिक परिवेश की संयुक्त प्रक्रिया के रूप में समझना चाहिए।

संदर्भ

1. बंडुरा, ए. (1997)। आत्म-प्रभावकारिता: नियंत्रण का अभ्यास। डब्ल्यू. एच. फ्रीमैन।
2. देसी, ई. एल., रयान और आर. एम. (2000)। लक्ष्य का "क्या" और "क्यों": मानवीय आवश्यकताएँ और व्यवहार का आत्म-निर्धारण। दार्शनिक जांच, 11(4), 227-268।
3. एक्लेस, जे. एस., और रोज़र, आर. डब्ल्यू. (2011). विद्यालय में अध्ययन के दौरान अनौपचारिक संदर्भ के रूप में विकास। सोसाइटी पर शोध पत्रिका, 21(1), 225-241।
4. एपस्टीन, जे. एल. (2011). विद्यालय, परिवार और समुदाय की भागीदारी: विद्यालय को तैयार करना और शिक्षण संस्थान में सुधार करना (द्वितीय संस्करण)। वेस्टव्यू प्रेस।
5. ग्रोलनिक, डब्ल्यू. एस., फ्रेंडली, आर. डब्ल्यू., और बेलास, वी. एम. (2009)। पालन-पोषण एवं विद्यालय में बच्चों की प्रेरणा। के. आर. वेंटज़ेल और डी. बी. माइले (संपादक), हैंडबुक ऑफ मोटिवेशन एट स्कूल (पृष्ठ 279-300)। रूटलेज़।
6. हिडी, एस., और रेनिंगर, के. ए. (2006)। रुचि विकास का चार चरणीय मॉडल। शैक्षिक मनोवैज्ञानिक, 41(2), 111-127।
7. पोमेरेन्ज़, ई. एम., मूरमैन, ई. ए., और लिटवैक, एस. डी. (2007)। बच्चों के अनुशासन जीवन में माता-पिता की भागीदारी का तरीका, कौन और क्यों। शैक्षिक अनुसंधान की समीक्षा, 77(3), 373-410।
8. रोसेनबर्ग, एम. (1965) समाज और किशोर आत्म-छवि। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस।
9. रयान, आर.एम., और डेसी, ई.एल. (2020)। आत्म-निर्धारण सिद्धांत: प्रेरणा, विकास और कल्याण में दर्शन आवश्यकताएँ। गिलफोर्ड प्रेस।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, June 2026
Impact Factor: 8.2

10. वेंटज़ेल, के.आर. (2010)। प्रेरणा प्रस्ताव विशेष रूप से छात्रों और सचिवालय के बीच संबंध पर। जे. मीस और जे. एक्लेस (संपादक), क्लासिकल, क्लासिकल शिक्षा और मानव विकास पर शोध की हैंडबुक (पृष्ठ 75-91)। रूटलेज।
11. विगफील्ड, ए., टोंक्स, एस., और क्लाउडा, एस. एल. (2016). प्रत्याशा-मूल्य सिद्धांत (अपेक्षा-मूल्य सिद्धांत)। के.आर. वेंटज़ेल और डी.बी. मिले (संपादक), स्कूल में प्रेरणा हैंडबुक (पृष्ठ 55-74)। रूटलेज।